Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to start Pawan Hans helicopter service for Budh circuit and to start Kushinagar Airport..

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे लगता है कि इसीलिए मुझे अवसर नहीं मिल रहा है । आपको याद होगा, पिछले दिनों जब आप इस चेयर पर थे, मुझे आपने बोलने के लिए कहा था, लेकिन मुझे अवसर मिला नहीं था । आज आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद ।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने बौद्ध सर्किट की प्राथमिकता को सर्वोच्च स्तर पर निर्धारित किया था । आज बौद्ध धर्म को मानने वाले दुनिया के तमाम देशों के लोग बौद्ध धर्म के स्थलों पर आते हैं । सौभाग्य से, उत्तर प्रदेश में चार स्थल हैं - सारनाथ, कुशीनगर, कपिलवस्तु, जो गौतम बुद्ध का जन्म स्थान है और जो सिद्धार्थनगर जनपद में है, और श्रावस्ती । ये बौद्ध सर्किट में हैं । चाहे जापान हो, इंडोनेशिया हो, थाइलैंड हो, सिंगापुर हो, हांगकांग हो, इन सारे राष्ट्रों से लोग यहां आते हैं । यहां कोई पवन हंस की हेलिकॉप्टर सर्विस या अन्य कोई हेलिकॉप्टर सर्विस के न होने के कारण वे अपनी यात्रा वाराणसी के पास सारनाथ से शुरू करते हैं ।

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): आप मांग कीजिए कि कुशीनगर एयरपोर्ट चालू करें ।

श्री जगदम्बिका पाल: महोदय, हमारे चीफ व्हिप साहब बिल्कुल ठीक कह रहे हैं कि कुशीनगर एयरपोर्ट चालू हो जाए और उसे बोधगया के साथ भी जोड़ दिया जाए । एक बौद्ध सर्किट को कम से कम सारनाथ-बोधगया-कुशीनगर-कपिलवस्तु-श्रावस्ती के साथ जोड़ा जाए । आप जानते हैं कि आज दुनिया में बौद्ध धर्म को मानने वाले सर्वाधिक राष्ट्रों के लोग हैं । 'बुद्धम् शरणम् गच्छामि' और 'धम्मम् शरणम् गच्छामि', 'संघम् शरणम् गच्छामि' और इस बौद्ध धर्म के

प्रवर्तक और उसको मानने वाले लोगों से हमें केवल पर्यटन की दृष्टि से ही नहीं देखना है, बल्कि इससे राजस्व की भी आमदनी होगी । पर्यटन की दृष्टि से भी हमारे देश में एक बौद्ध सर्किट की सर्वोच्च प्राथमिकता है । मैं आपके माध्यम से यह चाहता हूं कि केन्द्र सरकार इस सर्किट पर पवन हंस की हेलिकॉप्टर सर्विस को उपलब्ध कराए ।

धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष:

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।